राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के विकास हेतु विश्वविद्यालयों को तेजी से आगे बढ़ना चाहिए–राज्यपाल

पटना, 29 नवम्बर 2017

''आधुनिक ज्ञान–विज्ञान की दुनियाँ में अध्ययन के जो आवश्यक विषय हैं, उनमें से अधिकतर की पढ़ाई आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में हो रही है। सेंटर फॉर रिवर स्टडीज, पाटलिपुत्र सेन्टर फॉर इकोनॉमिक्स, सेंटर फॉर जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन, सेन्टर फॉर स्टेम सेल टेक्नोलॉजी, सेन्टर फॉर एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स, सेन्टर फॉर नन कन्वेन्शनल एनर्जी जैसे कतिपय महत्वपूर्ण अध्ययन–केन्द्रों की स्थापना शीघ्र ही यहाँ हो जाएगी।'' –उक्त बातें, महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री सत्य पाल मलिक ने स्थानीय सम्राट अशोक कन्वेन्शन सेन्टर, पटना में आयोजित आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के 'चतुर्थ दीक्षांत–समारोह' को सम्बोधित करते हुए कही।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि आज शिक्षा, संस्कृति, खेलकूद सहित हर प्रक्षेत्र में बेटियाँ लड़कों से ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में भी विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षा–फल में 'टॉप–टेन' में छात्राओं का प्रतिशत 90 प्रतिशत तक रहा है। यह इस बात का सबूत है कि तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में भी छात्राओं का प्रदर्शन काफी उत्कृष्ट है। उन्होंने कहा कि यह नारी–सशक्तीकरण के लिए चलाये जा रहे विशेष कार्यक्रमों का परिणाम है।

राज्यपाल ने कहा कि 'द्वितीय विश्वयुद्ध' के समय ब्रिटेन ने अपने वार्षिक बजट में विभिन्न मदों में कटौती कर दी थी, किन्तु शिक्षा के बजट में तब भी कोई कमी नहीं की थी। उन्होंने अपने अत्यन्त भावपूर्ण संबोधन में कहा कि दौलत, शोहरत, जमीन–जायदाद सबकुछ हासिल किया जा सकता है, पुल–पुलिया, भवन–अट्टालिकाएँ, सड़कें, कल–कारखाने सबकुछ दुबारा बनवाए जा सकते हैं, किन्तु एक पीढ़ी अगर समुचित शिक्षा के अभाव में नष्ट हो गई, तो वह दुबारा नहीं तैयार की जा सकती। राज्यपाल ने कहा कि इस विश्वविद्यालय की राजभवन से जो भी अपेक्षा होगी, वह हरसंभव रूप में पूरी की जायेगी, बस हमारी अपेक्षा इस विश्वविद्यालय से यही है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार में यह विश्वविद्यालय तेजी से आगे बढ़े।

राज्यपाल ने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने सामाजिक दायित्त्वों को भी बखूबी निभा रहा है, यह खुशी की बात है। रक्तदान–शिविरों का आयोजन कर एवं 'मुख्यमंत्री राहत कोष' में बाढ़ के समय सहायता राशि जमा कर विश्वविद्यालय ने प्रशंसनीय कार्य किया है। 'चम्पारण सत्याग्रह' से संबंधित व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित करना भी सराहनीय है। राज्य सरकार के 'शराबबंदी' अभियान के प्रचार–प्रसार में भी विश्वविद्यालय सक्रिय रहा है। राज्यपाल ने अनुरोध किया कि 'दहेज उन्मूलन अभियान' में भी बिहार के युवाओं को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए।

लगातार.....पृष्ठ....2

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि आज छात्रों को कौशल–विकास के साथ–साथ, सामाजिक मूल्यों एवं नैतिक उत्थान पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, तभी समाज एवं देश की तरक्की समग्र रूप से संभव हो सकेगी।

राज्यपाल ने आज दीक्षांत–समारोह में उपाधि–प्राप्तकर्त्ता विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी एवं उनमें डिग्रियों का वितरण किया। उन्होंने कुलपति सहित विश्वविद्यालयीय सभी पदाधिकारियों, संकायाध्यक्षों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओं आदि को भी बधाई दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा ने कहा कि आधुनिक ज्ञान–विज्ञान के सभी महत्वपूर्ण विषयों की पढ़ाई आर्यभट्ट विश्वविद्यालय में सुनिश्चित करायी जाएगी। समारोह को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय का लक्ष्य आधुनिक एवं रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित कराना है।

समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ (डॉ॰) अरूण कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय का प्रगति–प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ॰ एस॰पी॰ सिंह, प्रथम कुलपति प्रो॰ एस॰एन॰ गुहा, प्रतिकुलपति प्रो॰ एस॰एम॰ करीम, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, कुलसचिव डॉ॰ अजय प्रताप सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्षगण, पदाधिकारीगण एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

.....